सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 285 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 25 नवम्बर, 2026
मूल्य ₹ 3/-





टेक्नोलॉजी के गुलाम मत बनिए- अपना फोन मैनेज करिए, उसे आपको मत मैनेज करने दीजिये।
-रिचर्ड ब्रैनसन

वैभव ने जड़ा लिस्ट ए का सबसे तेज... 7 | कर्नाटक में आपदा से लेकर विज्ञापन... 3 | सीट की जगह जीत पर विचार... 2

गठबंधन की टेबल पर अखिलेश का गणित

कांग्रेस का आत्मसम्मान यूपी में राजनीतिक घमासान

» भाजपा से मुकाबले की तैयारी कर रहे इंडिया गठबंधन में सीटों का हिसाब

» सपा की पांच प्रत्याशियों की घोषणा से बढ़ा तनाव

» इमरान मसूद के सवालों ने खोल दी गठबंधन की अंदरूनी परतें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 के महासंग्राम की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। बीजेपी ने अपनी एकजुटता का संदेश दे दिया है। वहीं इंडिया गठबंधन अपनी साझेदारी का गणित सुलझाने में जुटा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एनडीए की एकता को लेकर साफ संदेश दिया कि गठबंधन में सब एक हैं। लेकिन इंडिया गठबंधन में तस्वीर कुछ अलग दिखाई दे रही है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन की बातचीत जारी है दोनों दलों के नेता बैठकों में सीटों का हिसाब लगा रहे हैं लेकिन अखिलेश यादव की पांच प्रत्याशियों की सूची जारी कर देने से गठबंधन की बातचीत में ऐसा मोड़ ला दिया कि कांग्रेस सांसद इमरान मसूद को सार्वजनिक रूप से कहना पड़ा कि गठबंधन में सहयोगी होते हैं भिखारी नहीं।

इमरान मसूद ने सपा के प्रस्ताव पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि जो सीटें दी गई हैं वह उन्हें मुबारक। अब सवाल यह है कि आखिर पांच प्रत्याशियों की इस सूची में ऐसा क्या है जिसने कांग्रेस के भीतर बेचैनी बढ़ा दी? दरअसल, कहानी का सबसे अहम सिरा सहारनपुर में है। इमरान मसूद सहारनपुर से सांसद हैं और उनकी इच्छा है कि उनके संसदीय क्षेत्र की विधानसभा सीटों पर कांग्रेस को राजनीतिक हिस्सेदारी मिले और कम से कम सहारनपुर में कांग्रेस का अपना विधायक हो। लेकिन समाजवादी पार्टी के स्थानीय नेताओं आशु मलिक, माविया अली, उमर अली आदि के राजनीतिक हित भी इसी क्षेत्र से जुड़े हैं। सहारनपुर में इमरान मसूद का प्रभाव बढ़े यह स्थानीय सपा राजनीति के लिए सहज स्वीकार्य स्थिति नहीं दिखाई देती। ऐसे में पांच प्रत्याशियों की घोषणा केवल उम्मीदवारों का ऐलान नहीं बल्कि स्थानीय राजनीतिक प्रभाव और दावेदारी का भी प्रश्न बन गई है।

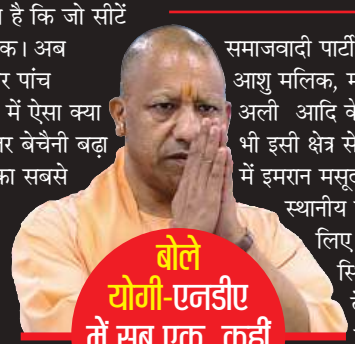

बोले योगी-एनडीए में सब एक, कहीं कोई गड़बड़ नहीं

26 सीटों का शुरुआती प्रस्ताव सपा ने रखा है लेकिन यह अंतिम सूची नहीं है।



समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन की बातचीत जारी है दोनों दलों के नेता बैठकों में सीटों का हिसाब लगा रहे हैं लेकिन अखिलेश यादव की पांच प्रत्याशियों की सूची जारी कर देने से गठबंधन की बातचीत में ऐसा मोड़ ला दिया कि कांग्रेस सांसद इमरान मसूद को सार्वजनिक रूप से कहना पड़ा कि गठबंधन में सहयोगी होते हैं भिखारी नहीं।



विधानसभा क्षेत्रों की स्थिति का अध्ययन करके सूची सौंपी

उधर कांग्रेस ने सीटों की मांग के लिए बाकायदा चुनावी आंकड़ों, लोकसभा परिणामों और विधानसभा क्षेत्रों की स्थिति का अध्ययन करके अपनी सूची सौंपी है। सपा ने 26 सीटों का शुरुआती प्रस्ताव रखा है लेकिन यह अंतिम सूची नहीं है। बातचीत में 50 सीटों तक की गुंजाइश की चर्चा भी है। सपा के सामने 2017 के गठबंधन का अनुभव है जब कांग्रेस को अपेक्षाकृत अधिक सीटें देने के बावजूद दोनों दल अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर सके थे। लेकिन राजनीति का कैलेंडर भी कोई स्थिर दस्तावेज नहीं होता। 2017 बीत चुका है, 2022 भी इतिहास बन चुका है और अब सामने 2027 है। कांग्रेस का दावा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को मिली 37 सीटों की सफलता में राहुल गांधी और कांग्रेस की मेहनत तथा साझा अभियान की भी बड़ी भूमिका थी। यानी कांग्रेस पुराने विधानसभा परिणामों से अपनी आज की हैसियत तय कराने को तैयार नहीं है।

दलों की बातचीत जारी है और समझौते का रास्ता बंद नहीं

कुल मिलाकर गठबंधन की संभावना पर दोनों दलों की बातचीत जारी है और समझौते का रास्ता बंद नहीं हुआ है। लेकिन अगले कुछ दिनों तक सीटों को लेकर दबाव की राजनीति चलने के पूरे आसार हैं। इस राजनीतिक शतरंज में हर दल अपनी चाल चल रहा है क्योंकि जो बातचीत की मेज पर दबाव में आया उसे चुनावी मैदान में टिकटों की हिस्सेदारी गंवानी पड़ सकती है। भाजपा के सामने विपक्षी एकता का दावा करने वाले दलों के लिए असली परीक्षा अब यही है कि वे एक-दूसरे को कितनी जगह देते हैं और अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को साझा लक्ष्य के साथ किस तरह साधते हैं। फिलहाल पांच टिकटों ने गठबंधन की पूरी पटकथा को रहस्य बना दिया है।

सपा का पांच टिकटों का धमाका, आखिर उमर और आशु पर इतनी जल्दी क्यों लगी मोहर?

सपा द्वारा बातचीत के इतर अचानक उत्तर प्रदेश की पांच विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर देने से बवाल मचा हुआ है। सूची में सबसे ज्यादा चर्चा सहारनपुर की दो सीटों को लेकर है। बेहट से मौजूदा विधायक उमर अली खान और सहारनपुर देहात से मौजूदा विधायक आशु मलिक को दोबारा प्रत्याशी घोषित कर दिया गया। सवाल उठा कि जब सीटों के बंटवारे पर बातचीत अभी पूरी नहीं हुई तो अखिलेश यादव को इन नामों की घोषणा करने की इतनी जल्दी क्यों पड़ी? इस पूरे घटनाक्रम का केंद्र सहारनपुर की यही दो सीटें बताई जा रही हैं। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस के वार्ताकार बेहट और सहारनपुर देहात को अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाए हुए थे। इन दोनों सीटों पर कांग्रेस अपने उम्मीदवार उतारना चाहती थी और बातचीत में लगातार इनकी दावेदारी पेश कर रही थी। दूसरी तरफ दोनों सीटों पर समाजवादी पार्टी के मौजूदा विधायक हैं। ऐसे में सपा के लिए अपने विधायकों की दावेदारी छोड़ना आसान नहीं था। बताया जा रहा है कि जैसे ही अखिलेश यादव तक यह सूचना पहुंची कि कांग्रेस इन दोनों सीटों पर सपा के मौजूदा विधायकों के विकल्प तलाशने पर जोर दे रही है, उन्होंने बिना देर किए उमर अली खान और आशु मलिक के नामों पर मुहर लगा दी। इसके बाद पांच प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी गई। राजनीतिक हलकों में इसे कांग्रेस की दावेदारी के जवाब में अखिलेश यादव की रणनीतिक चाल के तौर पर देखा जा रहा है।

संबंधित खबरें पेज 2 पर

सीट की जगह जीत पर विचार करे कांग्रेस : अखिलेश

» यूपी विस चुनाव में सपा व कांग्रेस में सीटों के बटवारे पर चर्चा जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे पर जारी बातचीत के बीच कहा कि कांग्रेस को 'सीट की जगह जीत के समीकरण' पर विचार करना चाहिए, ताकि राज्य में गठबंधन की सरकार बनाई जा सके और फिर केंद्र में भी सत्ता परिवर्तन का रास्ता तैयार हो। इस बीच, दोनों दलों के बीच लगातार दूसरे दिन हुई बातचीत भी बेनतीजा रही, हालांकि नेताओं ने इसे सकारात्मक बताते हुए अगली दो बैठकों में गठबंधन को अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद जताई।

अखिलेश यादव ने कांग्रेस से सपा की ओर से उसके लिए प्रस्तावित 26 सीटों के अतिरिक्त अन्य सभी संभावित सीटों की सूची भी भेजने का आग्रह किया। बता दें उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच दूसरे दौर की बैठक में सीटों पर सहमति नहीं बन सकी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कांग्रेस से प्रस्तावित 26 सीटों के अलावा अन्य संभावित सीटों की सूची मांगी है ताकि जीतने योग्य उम्मीदवार तय किए जा सकें। दोनों दलों के नेताओं ने उम्मीद जताई कि अगली दो बैठकों में गठबंधन को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद दोनों दल बैठकर तय कर सकते हैं कि किस सीट पर किस दल का कौन सा उम्मीदवार जीतने की स्थिति में है। यादव ने कांग्रेस को संबोधित करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हम सौहार्द और सूझबूझ से ये कर भी दिखाएंगे। इसी आशा के साथ आप-हम 'सीट की जगह जीत के समीकरण' पर विचार करें, जिससे हम जीतें और उत्तर प्रदेश में अपनी सरकार आए और फिर दिल्ली में भी ऐसा हो। सपा की ओर से रामगोपाल यादव, श्याम लाल पाल, राजीव राय, अवधेश प्रसाद और इकरा हसन ने हिस्सा लिया। इस बीच, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा और कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि ये दोनों दल कितनी भी खिचड़ी पका लें, कुछ नहीं होने वाला, क्योंकि न ये सत्ता में आएंगे और न ही भाजपा सत्ता से जाएगी।



देश का भविष्य संवारने में हम लोगों का योगदान हमेशा के लिए सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो जाए

देश का भविष्य संवारने में हम लोगों का योगदान हमेशा के लिए सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो जाए।'' इस बीच, बैठक में शामिल कांग्रेस के एक नेता ने पीटीआई-भाषा से कहा कि पार्टी सम्मानजनक संख्या में सीटें और उन पर जीत की बेहतर संभावनाएं चाहती है तथा अपने इस रुख से पीछे नहीं हटेगी। सपा महासचिव रामगोपाल यादव ने करीब साढ़े तीन घंटे चली बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि दोनों दलों के बीच सीट-दर-सीट चर्चा हुई और बातचीत सकारात्मक माहौल में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि राज्य की 403 विधानसभा सीटों में से अभी सभी पर चर्चा पूरी नहीं हुई है। उन्होंने कहा, ''हमने सीट दर सीट चर्चा की। बहुत सकारात्मक तरीके से बातचीत हुई। 403 सीटें बहुत होती हैं, अभी चर्चा पूरी नहीं हो पाई है। अगली दो बैठकें होंगी तो गठबंधन को पूरा कर लिया जाएगा।'' सपा की ओर से कांग्रेस को 26 सीटों की पेशकश किए जाने संबंधी सवाल पर उन्होंने कहा कि इस पर नए सिरे से बातचीत होगी और फैसला होने तक चर्चा जारी रहेगी। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश मामलों के प्रभारी राजेंद्र गौतम ने भी बातचीत को सकारात्मक बताते हुए कहा कि दोनों दल सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और अगली दो बैठकों में सीट बंटवारे की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। गौतम के मुताबिक, राज्य की 403 सीटों में से ज्यादातर पर चर्चा हो चुकी है।

सपा ने पांच सीटों पर घोषित किए प्रत्याशी, कैराना से नाहिद हसन को बनाया उम्मीदवार

समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 के लिए पांच प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। पार्टी की ओर से जारी इस सूची में पश्चिमी उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड की सीटों पर उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। इसमें होगा पीडीए के नाम अबकी एकजुट मतदान का नारा दिया गया है। जारी सूची के अनुसार घोषित प्रत्याशी और उनके विधानसभा क्षेत्र निम्नलिखित हैं- बेहट (01), सहारनपुर- उमर अली खान सहारनपुर (04), सहारनपुर- आशु मलिक ,कैराना (08), शामली- नाहिद हसन ,अमरोहा (41), अमरोहा-महबूब अली ,ललितपुर (226), ललितपुर- ज्योति लोधी, 24 नवंबर 2026 को जारी इस पत्र में पार्टी नेतृत्व के हस्ताक्षर भी अंकित हैं। सूची में सहारनपुर जिले की दो सीटों समेत शामली, अमरोहा और ललितपुर की एक-एक विधानसभा सीट पर उम्मीदवार उतारे गए हैं।

सपा प्रमुख बोले- सभी संभावित सीटें चिह्नित करके हमें भेज दें

पांच सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा से पहले अखिलेश यादव ने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि इस बार एक ऐतिहासिक अवसर है जब हम दोनों पंथनिरपेक्ष पार्टियां मिलकर साम्प्रदायिक भाजपा और उनके संकीर्ण सोच के साथियों को हमेशा के लिए हराकर, देश को गलत हाथों में जाकर बर्बाद होने से बचा सकते हैं। हम चाहते हैं कि आप और हम जन-अपेक्षाओं व वास्तविकताओं को समझकर गंभीर विचार-विमर्श करें जिससे अधिकांश सीटों पर अपने 'गठबंधन' की जीत सुनिश्चित हो। जितनी सीटें आप-हम लड़ें उनमें हमारी जीत की सीटें, न जीत पाने वाली सीटों से अधिक हों। जीत ही बंटवारे को सम्मानजनक बनाएगी क्योंकि जीती हुई सीट ही सम्मान दिलाएगी। अत: आपकी टीम की तरफ़ से प्राथमिकता के आधार पर दी गई सीटों में से जिन 26 सीटों पर आज बात हो गई है, उनके अतिरिक्त अन्य सभी संभावित सीटें चिह्नित करके हमें भेज दें। फिर मिल बैठकर देखेंगे कि कौन सी सीट और उस पर कौन सा कैंडिडेट जीतने की पोजिशन में है। हो सकता है कि हम अपने आँकलन और जीत के गणितीय समीकरण के आधार पर कांग्रेस को ऐसी कई जीतनेवाली सीटों के बारे में भी बताएं जिन पर उन्होंने किसी कारणवश विचार ही नहीं किया है।

सीटों का बंटवारा नहीं, सीटों का समायोजन है

अखिलेश यादव ने आगे कहा कि जिस प्रकार लोकसभा में आपके संगठन ने 'पीडीए' के साथ पूरी तरह सहयोग किया वो सदैव सराहनीय रहेगा क्योंकि उसने ही मिलकर साम्प्रदायिक भाजपा को धूल चटाई थी अब इस बार भी हम लोग मिलकर उप्र में और फिर केंद्र में भी भाजपा को हराएंगे। ज़मीनी सर्वेक्षणों से ये बात साफ़ हो गई है कि हर शहर, मोहल्ले, गली व गाँव तक ये बात पहुँच गई है कि जो पीड़ित है, वो पीडीए है। इसीलिए पूरे प्रदेश के हर समाज, हर वर्ग के 'पीड़ित, दुखी, अपमानित' भाजपा के ख़िलाफ़ लामबंद हो गये हैं क्योंकि उन सबको ये विश्वास है कि 'पीडीए ही एनडीए को हराएगा' और पीडीए ही परिवर्तन लायेगा। सच तो ये है कि हम नहीं चाहते हैं कि सीट का बंटवारा हमारे-तुम्हारे के भाव से हो, हम तो इसे बंटवारा नहीं, 'सीट समायोजन' कहना चाहते हैं। कठिन समीकरणवाली सीटों पर हम मिलकर कम-से-कम दो प्रत्याशियों पर विचार-विमर्श करके जिसकी अधिक संभावना दिखेगी उसे चुनकर मिलजुल के जिताएंगे। हम नहीं चाहते हैं कि गठबंधन में एक-दूसरे पर उम्मीदवार थोपे जाएं बल्कि सहमति से तय किये जाएं, तब ही आपके-हमारे वोट आपस में ट्रांसफ़र होकर हम लोगों की जीत को सुनिश्चित करेंगे और कल को हम मिलकर कह सकेंगे कि हम लोगों ने तो पहले ही कहा था।

हम भिखारी नहीं हैं : इमरान मसूद

» सपा की सीटों की घोषणा पर भड़के कांग्रेस सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी द्वारा उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 5 प्रत्याशियों की सूची जारी करने के बाद कांग्रेस और सपा के बीच सीट बंटवारे को लेकर खींचतान खुलकर सामने आ गई है। कांग्रेस के यूपी कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद इमरान मसूद ने सपा के इस कदम पर तीखी नाराजगी जताई है।

इमरान मसूद ने कहा - हम भिखारी नहीं हैं। हम अखिलेश यादव से कोई खैरात लेने के लिए इंतजार नहीं कर रहे हैं। वो हमारे साथ ऐसा बर्ताव कैसे कर सकते हैं? समाजवादी पार्टी ने सीट शेयरिंग को लेकर चल रही बातचीत के बीच ही 5 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए। इनमें से 4 सीटें पश्चिमी यूपी की हैं - बेहट, सहारनपुर, कैराना और अमरोहा। सहारनपुर लोकसभा सीट से ही इमरान मसूद सांसद हैं, इसलिए कांग्रेस को यह कदम और ज्यादा नागवार गुजरा है। मसूद ने कहा कि एक तरफ बातचीत हो रही है और दूसरी तरफ घोषणाएं हो रही हैं, इससे साफ है कि गठबंधन को लेकर गंभीरता नहीं बरती जा रही है। उन्होंने कहा - बातचीत गंभीर तरीके से हो रही थी, लोग साथ बैठकर बात कर रहे थे, लेकिन अचानक ये हो गया। अब हमारी पार्टी के अंदर चर्चा होगी कि हमें क्या करना है, बातचीत के लिए बैठना है या नहीं।



झारखंड में एसआईआर पर रोक का प्रस्ताव पेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र बुधवार को शुरू हुआ। राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने मतदाता सूची के जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर रोक लगाने की मांग करते हुए इसके खिलाफ प्रस्ताव पेश किया। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया कि यह सत्र राजनीति से प्रेरित है और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार एसआईआर के मुद्दे पर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही है।

सत्र के दौरान सदन में एसआईआर प्रक्रिया और अगस्त में संसद में पारित संशोधित खान कानून पर विचार-विमर्श किया जाएगा। एसआईआर के खिलाफ प्रस्ताव पेश करते हुए किशोर ने कहा कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में प्रक्रियागत जटिलताओं और तकनीकी खामियों के कारण मतदाताओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, झारखंड के 2.21 करोड़ मतदाताओं में से 27 प्रतिशत को संदिग्ध मानते हुए नोटिस भेजे गए।

चंद्रशेखर-ओवैसी के गठबंधन के डर गए अखिलेश : राजभर

» सीट शेयरिंग पर चर्चा के बीच प्रत्याशी घोषित किए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा है कि वो ओवैसी-चंद्रशेखर गठबंधन से डर गए हैं इसलिए घोषित किए गए पहले प्रत्याशियों में से चार मुस्लिम उम्मीदवार हैं।

उन्होंने ये भी सवाल उठाया कि अभी गठबंधन में सीट शेयरिंग पर चर्चा जारी है। इसी बीच उन्होंने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि अपने बड़े भाई से ग़ज़ब गठबंधन बनाये हैं मित्र। बात चल रही है और बिना कुछ तय हुए प्रत्याशी भी घोषित कर दिए। कांग्रेस से गठबंधन फाइनल नहीं हुआ, सीटों का बंटवारा नहीं हुआ, लेकिन टिकट बांटने की ऐसी हड़बड़ी कि स्पेशल 26 की सूची पकड़ा दी। साथ ही सहारनपुर में भी दो सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर दिए, जहां कांग्रेस के इमरान मसूद अपनी दावेदारी ठोक रहे हैं। ये बड़के भैया को जवाब है या आपके एम वाले इमरान भाई को?



बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी



बीजेपी 2024 के नतीजों से डरी हुई है: अजय राय

बोले कांग्रेस नेता- सपा की 5 सीटों की सूची बातचीत की शुरुआत ,गठबंधन रहेगा मजबूत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि 2027 विधानसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत जारी है। सपा द्वारा पांच सीटों पर प्रत्याशी घोषित करने के बाद उन्होंने सकारात्मक परिणाम की उम्मीद जताई। दोनों दलों के बीच सीटों पर आगामी बैठक 27 नवंबर को संभावित है।

उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे पर बातचीत चल रही है। इसी बीच सपा ने पांच विधानसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। पार्टी की इस पहली सूची के बाद गठबंधन में सीटों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। सवाल उठ रहे हैं कि क्या सपा ने कांग्रेस के साथ सीटों पर सहमति बनने से पहले ही अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं? क्या इससे दोनों दलों के गठबंधन पर असर पड़ सकता है? इन सवालों पर पूर्व उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने अपनी बात रखी। उन्होंने उम्मीदवारों की सूची को बातचीत की शुरुआत बताया और कहा कि दोनों दलों के बीच चर्चा जारी है। उन्हें उम्मीद है कि इसका सकारात्मक नतीजा निकलेगा और 2027 में दोनों पार्टियां मजबूत गठबंधन के साथ चुनाव लड़ेंगी। अजय राय ने बताया कि सपा और कांग्रेस का नेतृत्व सीटों के बंटवारे पर बातचीत कर रहा है। दोनों पार्टियों ने इस काम के लिए अपनी-अपनी समितियां भी बनाई हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि आपसी बातचीत से सीटों को लेकर रास्ता निकल आएगा।



कर्नाटक में आपदा से लेकर विज्ञापन तक पर रार

डिप्टी सीएम ने एनडीए सरकार से मांगी मदद

भाजपा बोली- कांग्रेस जनकल्याण के पैसों से कर रही प्रचार

» सूखा राहत पर केंद्र की चुप्पी से नाराज है कर्नाटक सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक में अभी से भाजपा व कांग्रेस में एक दूसरे पर ऐसे वार पलटवार जारी है जैसे की वहां पर चुनाव हों। जहां वहां की कांग्रेस की सरकार सूखे व आपदा को लेकर केंद्र की सरकार को घेर रही है वहीं भाजपा राज्य की शिवकुमार सरकार को विज्ञापन पर हुए खर्चे को ले कर हमलावर है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने सोमवार को स्पष्ट किया कि सूखा राहत के लिए केंद्र सरकार से सकारात्मक जवाब नहीं मिलने पर राज्य सरकार अदालत की शरण ले सकती है। उन्होंने कहा कि 22,000 करोड़ रुपये की सहायता राशि की मांग को लेकर कैबिनेट में चर्चा के बाद अंतिम फैसला होगा।

राज्य सरकार ने तब तक अपने स्तर से किसानों को 5,000 रुपये की अंतरिम सहायता बांटनी शुरू कर दी है। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर जन कल्याण की अनदेखी कर तीन वर्षों में विज्ञापनों पर 473 करोड़ रुपये खर्च करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार बुनियादी ढांचे, रोजगार और किसानों की समस्याओं को हल करने के बजाय अपनी छवि चमकाने में जुटी है। उधर कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने राज्य के सभी 224 विधानसभा क्षेत्रों में सेवा दूत अभियान की घोषणा की है, जो 1 से 25 दिसंबर तक चलेगा। इसके तहत पार्टी विस्तारक केंद्र सरकार की उपलब्धियां जनता तक पहुंचाएंगे। विजयेंद्र ने कांग्रेस सरकार पर कर्मचारियों को समय पर वेतन न देने और आशा कार्यकर्ताओं की अनदेखी करने का आरोप भी लगाया।



प्रचार पर 473 करोड़ रुपये खर्च किए गए : विजयेंद्र

कर्नाटक भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने राज्य की कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने पिछले तीन वर्षों में विकास और जन कल्याण की अनदेखी करते हुए विज्ञापनों पर 473 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। एक्स पर एक पोस्ट में, विजयेंद्र ने दावा किया कि सरकार बढ़ती कीमतों, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और खराब होते बुनियादी ढांचे जैसे मुद्दों को हल करने के बजाय, प्रचार-प्रसार पर रोजाना 43 लाख रुपये से अधिक खर्च कर रही है। उन्होंने कहा कि विकास शून्य, प्रचार में हीरो! प्रचार पर 473 करोड़ रुपये खर्च किए गए। लेकिन विकास कहाँ है? विजयेंद्र ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि उसने सड़क निर्माण, रोजगार सृजन या किसानों की मदद में निवेश करने के बजाय, अपनी छवि चमकाने के लिए फंड का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने कथित तौर पर सिर्फ तीन सालों में विज्ञापनों पर 473 करोड़ रुपये जैसी बड़ी



रकम उड़ा दी है। यह हर दिन 43 लाख रुपये से भी ज्यादा है - सड़कें बनाने, नौकरियां पैदा करने या किसानों की मदद करने के लिए नहीं, बल्कि अपनी छवि चमकाने के लिए! बीजेपी नेता ने सरकार की नाकामियों को उजागर किया, जिनमें दूध की बढ़ती कीमतें, बस के बढ़े हुए किराए, और बिजली व जरूरी सेवाओं की बढ़ती लागत शामिल हैं। उन्होंने किसानों की समस्याओं, युवाओं की बेरोजगारी और ठेकेदारों के लंबित भुगतानों की ओर भी इशारा किया। उन्होंने बेंगलुरु की सड़कों की खराब हालत का जिक्र करते हुए कहा कि यह सरकार के बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) के रखरखाव में पूरी तरह विफल रहने का सबूत है। उन्होंने कहा, यह एक ऐसी सरकार है जिसने प्रचार करने की कला में तो महारत हासिल कर ली है, लेकिन शासन चलाने में बुरी तरह विफल रही है।विजयेंद्र ने कांग्रेस की गारंटी योजनाओं पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि इन योजनाओं को वित्तीय और लागू करने संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, और सरकार लोगों तक लाभ पहुँचाने के बजाय उनके प्रचार-प्रसार को ज्यादा अहमियत दे रही है। उन्होंने आगे कहा, काफी प्रचारित की गईं गारंटी योजनाएं, जिन्हें कांग्रेस सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि के तौर पर पेश किया गया था, वे खुद ही वित्तीय और कार्यान्वयन संबंधी चुनौतियों का सामना कर रही हैं। लोगों की चिंताओं को दूर करने और समय पर लाभ पहुंचाने के बजाय, सरकार अपने वादों को पूरा करने के बजाय उनके प्रचार-प्रसार में अधिक रुचि लेती दिख रही है।

बीजेपी चलाएगी सेवा दूत अभियान

बीजेपी कर्नाटक के अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कर्नाटक के सभी 224 विधानसभा क्षेत्रों में सेवा दूत अभियान शुरू करने की घोषणा की है। यह अभियान 1 दिसंबर से शुरू होकर 25 दिसंबर तक चलेगा। इसका उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों का सम्मान करना है। इसके तहत, पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को 25 दिनों के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में विस्तारक या सेवा दूत के रूप में तैनात किया जाएगा। अपने प्रवास के दौरान, ये विस्तारक रोजाना सेवा कार्यों में शामिल होंगे, युवाओं से बातचीत करेंगे, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की उपलब्धियों को उजागर करेंगे, बीएस येदियुरप्पा और बसवराज बोम्मई के नेतृत्व वाली पिछली बीजेपी राज्य सरकारों के योगदान को याद करेंगे, और पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए काम करेंगे। मीडिया से बात करते हुए, विजयेंद्र ने कांग्रेस सरकार और कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि जब से शिवकुमार ने पद संभाला है, प्रशासन का काम केवल घोषणाएं करने तक ही सीमित रह गया है, जिन्हें कभी लागू नहीं किया जाता। हिरियूर के लिए शिवकुमार द्वारा 2,500 करोड़ रुपये के विकास फंड के दावे का जिक्र करते हुए, विजयेंद्र ने कहा कि ये 2,500 करोड़ रुपये कहां हैं? यह सवाल मैं नहीं पूछ रहा हूं, बल्कि वित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारी खुद मुख्यमंत्री से यह सवाल कर रहे हैं। उन्होंने सरकार पर सरकारी कर्मचारियों को समय पर वेतन न देने का भी आरोप लगाया। बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में आशा कार्यकर्ताओं के चल रहे विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए, विजयेंद्र ने कहा कि वे सात दिनों से कड़ाके की ठंड में, अपने घरों और परिवारों से दूर प्रदर्शन कर रही हैं। कार्यकर्ताओं से मुख्यमंत्री द्वारा कही गई बातों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कहते हैं, मैं तुम्हारा बड़ा भाई हूं, मैं तुम्हारा भाई हूं। क्या एक भाई का बर्ताव ऐसा होना चाहिए, माननीय मुख्यमंत्री जी?

कर्नाटक में सूखे से निपटने को केंद्र से मांगी 22,400 करोड़ की मदद

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने राज्य के 226 तालुकों में गंभीर सूखे से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और शिवराज सिंह चौहान से सोमवार को एक बार फिर तत्काल 22,400.58 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता देने की अपील की। सूखे के कारण राज्य को 62,481 करोड़ रुपये से अधिक का आर्थिक नुकसान होने का अनुमान है। राजस्व विभाग का भी जिम्मा संभाल रहे परमेश्वर ने तीनों नेताओं को अलग-अलग पत्र लिखकर उनसे मिलने का समय मांगा, ताकि वह उन्हें राज्य में सूखे की स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी दे सकें। उन्होंने राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष (एनडीआरएफ) के तहत मांगी गई वित्तीय सहायता को जल्द मंजूरी देने और जारी करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा, "प्राकृतिक आपदाएं न तो राजनीतिक सीमाओं को पहचानती हैं और न ही वैचारिक मतभेदों को। उनसे निपटने के लिए हमारी प्रतिक्रिया में भी यही समझ दिखाई देनी चाहिए।" उपमुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार की ओर से दिखाई जा रही कथित सुस्ती पर चिंता और निराशा जताई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कई बार अपनी मांग रख चुकी है, लेकिन केंद्र ने अब तक इस पर तत्काल कार्रवाई नहीं की है। कर्नाटक में 57.93 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों को नुकसान पहुंचा है और 226 तालुक सूखे से प्रभावित हैं। इससे 62,481.88 करोड़ रुपये के आर्थिक नुकसान का अनुमान है।



राज्य सरकार उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाने सहित अन्य कानूनी विकल्पों पर विचार

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि सूखा राहत के लिए बार-बार अनुरोध किए जाने के बावजूद केंद्र सरकार से कोई जवाब नहीं मिलने की स्थिति में राज्य सरकार उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाने सहित अन्य कानूनी विकल्पों पर विचार करेगी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कोई अंतिम निर्णय लेने से पहले मामले पर राज्य मंत्रिमंडल में चर्चा की जाएगी। परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि राज्य सरकार ने तीन ज्ञापनों के जरिए प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री और कृषि मंत्री को पत्र लिखकर सूखा राहत के लिए 22,000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता मांगी है। हालांकि, केंद्रीय दलों के कर्नाटक का दौरा करने और अपनी रिपोर्ट सौंपने के बावजूद अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। उन्होंने कहा, ''हम कुछ और समय तक इंतजार करेंगे। इसके बाद अपने स्तर पर निर्णय लेंगे।'' उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री, वह स्वयं और मंत्रिमंडल के अन्य सहयोगी इस मुद्दे पर चर्चा कर आगे की कार्रवाई तय करेंगे। पिछली बार सूखा राहत के लिए किए गए प्रयासों का उल्लेख करते हुए परमेश्वर ने कहा कि कर्नाटक ने केंद्र से 18,000 करोड़ रुपये की सहायता मांगी थी, लेकिन उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद राज्य को केवल 3,500 करोड़ रुपये मिले थे। उन्होंने कहा, ''हमें कम से कम कुछ वित्तीय सहायता तो मिलनी ही चाहिए। जैसा कि आप जानते हैं, पिछली बार उच्चतम न्यायालय ने हस्तक्षेप किया था और केंद्र को करीब 3,500 करोड़ रुपये देने का निर्देश दिया था।'' परमेश्वर ने बताया कि राज्य सरकार ने किसानों को 5,000 रुपये की सहायता राशि वितरित करना शुरू कर दिया है और विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले इस प्रक्रिया को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि इससे राज्य के खजाने पर लगभग 2,500 करोड़ रुपये का वित्तीय बोझ पड़ेगा। सूखे के मुद्दे पर राजनीति नहीं करने की अपील करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''किसी ने सूखे को आमंत्रित नहीं किया। यह प्राकृतिक आपदा है।ऐसे समय में क्या केंद्र को हमारे साथ खड़ा नहीं होना चाहिए? इस मुद्दे पर हमारा केंद्र को या केंद्र का हमें दोष देना उचित नहीं लगता।'' केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी की राज्य सरकार को सीधे केंद्र से संपर्क करने और संबंधित मंत्रियों से मुलाकात का समय मांगने की सलाह देने पर अपनी प्रतिक्रिया में परमेश्वर ने कहा कि इसके बजाय कुमारस्वामी को स्वयं ऐसी बैठकों की व्यवस्था कराने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''कर्नाटक की समस्याएं उनकी भी समस्याएं हैं और कर्नाटक की सफलता उनकी भी सफलता है।

जिद... सच की



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_SanjayS

बालश्रम रोककर ही बचेगा बचपन

आज जरूरत इस बात की है कि हम बाल श्रम के अर्थ को व्यापक रूप से ग्रहण करें। शिक्षा का अधिकार कानून के तहत बच्चों को अपनी शिक्षा पूर्ण करने का अधिकार दिया गया है ताकि वे बाल श्रम से दूर रहकर अपनी इच्छानुसार भविष्य चुन सकें। इसके बावजूद ग्रामीण और शहरी इलाकों में बालश्रम को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है।

समय-समय पर अखबारों में बालश्रम करते मासूमों की खबरें आती हैं जा स्तबध कर देती हैं। भारत में तो यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि इस प्रगतिशील दौर में भी बाल श्रम रुक नहीं रहा है। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में दस श्रमिकों में से एक श्रमिक बच्चा है। बाल श्रम के विरोध में बने विभिन्न कानूनों के अतिरिक्त 2009 में बने शिक्षा का अधिकार कानून के तहत भी बाल श्रम को बढ़ावा देने वाले लोगों को दंड का प्रावधान है। आज महानगरीय जीवनशैली में माता और पिता दोनों ही अपने-अपने कामों में व्यस्त रहते हैं। ऐसे में भी बच्चों की उचित एवं संपूर्ण देखभाल प्रभावित होती है। बहरहाल आज जरूरत इस बात की है कि हम बाल श्रम के अर्थ को व्यापक रूप से ग्रहण करें। शिक्षा का अधिकार कानून के तहत बच्चों को अपनी शिक्षा पूर्ण करने का अधिकार दिया गया है ताकि वे बाल श्रम से दूर रहकर अपनी इच्छानुसार भविष्य चुन सकें। इसके बावजूद ग्रामीण और शहरी इलाकों में बालश्रम को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार पूरे विश्व में 152 मिलियन बच्चे बाल श्रमिक के रूप में काम कर रहे हैं, जिनमें से 7.3 फीसदी बच्चे भारत में बाल श्रमिक के रूप में कार्यरत हैं।

बाल मजदूरी में लगे बच्चों को शारीरिक और मानसिक रूप से कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। बाल मजदूरी के कारण बच्चों को पर्याप्त शिक्षा भी नहीं मिल पाती है। ऐसे बच्चों के अधिकार सीमित होने के कारण उनका भविष्य अंधकार में होता है। हालांकि बाल श्रम को रोकने की कोशिश लगातार की जा रही है लेकिन भारत समेत पूरी दुनिया में जिस तरह की परिस्थितियां बन रही है, उससे कई जगहों पर बाल श्रम का खतरा और बढ़ सकता है। बाल श्रम के कारण आज अनेक बच्चे कुपोषण और विभिन्न बीमारियों से जूझ रहे हैं। अक्सर हम बाल श्रम का अर्थ बहुत ही सीमित संदर्भों में लगाते हैं। अगर बच्चों के दिमाग पर किसी भी रूप में कोई दुष्प्रभाव पड़ रहा है और उनके दिमाग को परंपरागत श्रम से अलग श्रम करना पड़ रहा है तो वह भी एक तरह का बाल श्रम ही है। दु:खद यह है कि हम इस परंपरागत बाल श्रम पर तो ध्यान देते हैं लेकिन अपरंपरागत बाल श्रम पर ध्यान नही देते हैं। कुछ वर्ष पूर्व सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च द्वारा जारी एक रिपोर्ट में बताया गया था कि टीवी पर दिखाई जाने वाली हिंसा से बच्चों के दिलोदिमाग पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। विडंबना यह है कि अब जलवायु परिवर्तन भी बच्चों को अपना शिकार बना रहा है। पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के 2.3 अरब बच्चों में से लगभग 69 करोड़ बच्चे जलवायु परिवर्तन के सबसे अधिक जोखिम वाले क्षेत्रों में रहते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

धरती बचाने की लड़ाई लड़ने का वक्त

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

कॉप-31 कई कारणों से खास और चुनौतीपूर्ण होने वाला है। इसे पहले ही क्रियान्वयन (इम्प्लीमेंटेशन) कॉप कहा गया है। यह 20 नवंबर तक यह तुर्किये के अंताल्या में चलेगा। पहली बार किसी कॉप सम्मेलन की जिम्मेदारी एक नहीं, बल्कि दो देश संभालेंगे। तुर्किये तो मेजबान है ही, लेकिन ऑस्ट्रेलिया प्रशांत द्वीप देशों के साथ मिलकर आधिकारिक जलवायु वार्ता का नेतृत्व और एजेंडा तय करेगा। तुर्किये के पर्यावरण मंत्री मूरत कुरूम कॉप-31 के अध्यक्ष हैं। ऑस्ट्रेलिया के जलवायु परिवर्तन मंत्री क्रिस बोवेन वार्ताओं की अध्यक्षता करेंगे। इस कॉप के कुछ दिन पहले ही 21 अक्तूबर, 2026 को संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) ने अपनी वार्षिक गैप रिपोर्ट जारी की है। इसके अनुसार, साल 2100 तक पूर्व-औद्योगिक काल की तुलना में वैश्विक तापमान में 2.6 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा वृद्धि हो सकती है।

ऐसा विश्व स्तर पर पृथ्वी को गर्म करने वाले उत्सर्जनों में जितनी कटौती होनी चाहिए और वास्तव में जितनी हो रही है, उनके बीच खाई बढ़ने के कारण हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि यदि सारे देश आज अपने-अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती की घोषित प्रतिबद्धताओं पर पूरा अमल भी कर लें, तब भी 2100 तक वैश्विक तापमान में 2.6 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो सकती है। पेरिस समझौता, जो कॉप-21 में पेरिस में हुआ था, उसमें कहा गया था कि आदर्श रूप से वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखा जाए। लेकिन यह लक्ष्य अब गंभीर संकट में है। जीवाश्म ईंधनों को छोड़ने के लिए कोई भी देश ईमानदारी से तैयार नहीं है। अत: जरूरी है कि कॉप-31 में पूर्ववर्ती कॉप सम्मेलनों की तरह केवल आखिरी समय की लीपापोती के बजाय जीवाश्म ईंधनों से दूरी बनाने के लक्ष्य पर सख्त निर्णय हों। कहा जा रहा है कि इस कॉप में विद्युतीकरण की बात प्रमुखता से उठेगी। इस कॉप को पृथ्वी को बचाने की लड़ाई लड़नी है। गैप रिपोर्ट जारी होने के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेश ने कहा कि अब 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा पार होने से कोई नहीं रोक सकता।

गुटेरेश का कार्यकाल 31 दिसंबर, 2026 तक ही है। कॉप-31 उनके लिए आखिरी पर्यावरणीय शिखर सम्मेलन होगा। उन्होंने तेल पर दी जाने वाली सब्सिडी को आत्मघाती कहा था। उन्होंने कहा था कि बड़े प्रदूषकों ने वायुमंडल को खुले सीवर में बदल दिया है। बड़े देशों को अपनी वित्तीय प्रतिबद्धताएं पूरी करनी चाहिए। किंतु



इस कॉप में वे शायद ही भविष्य के लिए दबाव पैदा कर सकें। इस कॉप का इम्प्लीमेंटेशन कॉप बनना तो तय है। नेपाल ने इसका एजेंडा पहले ही दे दिया है। इम्प्लीमेंटेशन की शुरुआत लॉस एंड डैमेज फंड और क्लाइमेट फाइनेंस को पात्र देशों तक पहुंचाने तथा उसके त्वरित वितरण में आने वाली कमियों को दूर करने से होगी। साथ ही धनी और बड़े प्रदूषक देशों पर अपने जलवायु आपदा न्यूनीकरण और अनुकूलन कोष में अरबों डॉलर की वर्षों से लंबित देनदारियां तुरंत पूरी करने का दबाव डालना होगा। 26 अगस्त, 2026 की माउंटेन सुनामी का जिक्र करते हुए सितंबर में संयुक्त राष्ट्र की 81वीं महासभा में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने कहा था कि उनका देश वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 0.1 प्रतिशत भी योगदान नहीं देता, किंतु उसे जलवायु परिवर्तन की भारी कीमत चुकानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि जलवायु आपदाओं से निपटने के लिए पर्याप्त अनुदान आधारित सहायता दी जानी चाहिए। अभी तक बढ़ते उत्सर्जनों और तापमान वृद्धि से प्रशांत महासागर तथा अन्य सागरों के द्वीपों पर मंडराते जोखिमों को लेकर ही सम्मेलनों में चिंताएं जताई जाती रही हैं। कॉप-31 में भी इन पर अवश्य चर्चा होगी, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया प्रशांत द्वीप देशों के साथ मिलकर वार्ताओं की अध्यक्षता कर रहा है। किंतु नेपाल ने लैंडलॉक्ड यानी केवल जमीन से घिरे देशों को भी चर्चा के केंद्र में ला दिया है। गरीब देशों की मदद के लिए कोष बनाने पर निर्णय और सहमति कॉप-27 में बनी थी। भारी दबावों के बीच धनी देशों को अंतत: कार्बन प्रदूषण से प्रभावित गरीब देशों के लिए एक कोष की स्थापना के लिए हामी भरनी ही पड़ी। महासचिव गुटेरेश का कहना था कि हम उन देशों को पर्यावरणीय न्याय से वंचित नहीं कर सकते, जिनकी इस जलवायु आपदा को लाने में कोई भूमिका नहीं रही है।

उनका आशय सबसे कम विकसित और द्वीपीय देशों से भी था, जिनका जलवायु आपदा पैदा करने में सबसे कम योगदान है, किंतु जो इसकी मार सबसे ज्यादा झेलते हैं। नेपाल इन्हीं संदर्भों में जलवायु न्याय की बात कर रहा है। इस कोष में अभी ज्यादा धन नहीं आया है और जितना धन इस कोष में है, उससे दस गुना ज्यादा की मांग वाले देशों के आवेदन लंबित हैं। अब अगली बोर्ड बैठक भी दिसंबर, 2026 तक ही होगी।

जब जवाहरलाल नेहरू ने अपने पिता की आंखें खोलीं...

कृष्ण प्रताप सिंह



स्वतंत्रता संग्राम के दौरान दिसंबर, 1921 से मार्च, 1945 तक बीस बार जेल यात्राएं कर जीवन के साढ़े नौ साल जेलों में बिताने वाले पं. जवाहरलाल नेहरू के देश के पहले प्रधानमंत्री होने के अलावा भी कई परिचय हैं। उन्होंने 1944 में अहमदनगर फोर्ट जेल में रहते हुए अप्रैल से सितंबर के बीच के पांच-छह महीनों में अंग्रेज़ी में जो 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' लिखी, उसके आईने में देखें तो तय करना मुश्किल हो जाता है कि वे बड़े राजनेता थे या बड़े लेखक। प्रसंगवश, विभिन्न भाषाओं में अनूदित हो चुकी 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' इस देश को समग्रता में समझने के लिए आज भी मील के पत्थर सरीखी है। इसमें नेहरू का बड़प्पन इस बात से भी झलकता है कि उन्होंने लिखा है कि वे इसे नहीं लिख पाते, अगर जेल में उन्हें आचार्य नरेंद्र देव का साथ और परामर्श प्राप्त नहीं हुआ होता। तिस पर, यह उनकी इकलौती कृति नहीं है।

उनकी आत्मकथा के अलावा 'ग्लिम्प्सेज ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री' जैसी कृति भी उनके खाते में है। बचपन में पं. नेहरू अपने सख्त स्वभाव वाले पिता मोतीलाल नेहरू को स्वतंत्रता संघर्ष की गतिविधियों में सक्रिय देखते, तो मन ही मन उनके जैसा बनने की कल्पना किया करते। लेकिन उन्हें समझ में नहीं आता था कि आखिर क्यों उनके पिता सारे भारत को तो आजाद कराना चाहते हैं, लेकिन अपने पालतू तोते को पिंजरे में ही कैद किए रखना चाहते हैं। वे उसे बहुत प्यार करने का दावा तो करते हैं, घर के अंदर व बाहर आते-जाते उससे बातें भी किया करते हैं, लेकिन उसे पिंजरे से आजाद करने की नहीं सोचते। सोचते-सोचते जब वे इस निष्कर्ष पर पहुंच गए कि पिता का इस तरह तोते को पिंजरे में बंद रखना ठीक नहीं है, तो एक दिन उन्होंने यह जानते हुए भी कि इससे पिता नाराज होकर कड़ी सज़ा देने पर भी उतर सकते हैं, पिंजरा खोलकर तोते को उड़ा दिया। शाम को पिता आए और इस बारे में जानकर घुड़कते हुए पूछा कि तुमने तोते को क्यों उड़ा दिया, तो उनका उत्तर था, 'आप बार-बार देश की आजादी की बातें करते हैं, उसके लिए लड़ाई भी लड़ रहे हैं। आपके विचारों व व्याख्यानों में प्राय: उसकी बात आती है, लेकिन उस तोते को पिंजरे में बंद कर आपने उसकी आजादी छीन ली थी और गुलाम बनाकर रख छोड़ा था। मैंने आपकी ही कही आजादी की बातों से प्रभावित होकर उसे आजाद कर दिया।

आखिर बाकी देश के साथ उसको भी तो आजादी की जरूरत थी।' इस पर पिता मोतीलाल से कुछ कहते नहीं बना। उन्होंने उनके सिर पर हाथ रखकर कहा, 'जवाहर, आज तुमने मेरी आंखें खोल दीं।' दूसरा प्रसंग तब का है, जब प्रधानमंत्री बनने के बाद वे कुंभ मेले में गए थे। वहां उनकी एक झलक पाने के लिए उतावले लोगों की भीड़ में से अचानक एक वृद्धा उनकी कार के सामने आकर चिल्लाने लगी, 'अरे ओ जवाहर! कहां है तू? तू कहता है कि आजादी मिल गई। पर किसे मिली आजादी? तुझ जैसे मोटर-गाड़ी में घूमने वालों को ही। हम जैसे गरीब लोगों को कहां मिली आजादी?' वृद्धा की बातें सुनकर वे कार से उतरकर उसके सामने गए और विनम्र भाव से बोले, 'माता जी!

आप पूछ रही हैं, कहां है आजादी? मैं बताता हूं आपको। आज आप आजाद हैं, इसीलिए अपने देश के प्रधानमंत्री को बेहिचक तू कहकर डांट पा रही हैं।' वृद्धा का गुस्सा शांत हुआ, तो उन्होंने पाया कि उसके असंतोष का कारण यह था कि सरकारी अमला उसकी एक समस्या का समाधान नहीं कर रहा था। उन्होंने उसे उसकी समस्या के समाधान के प्रति आश्वस्त किया, तब आगे बढ़े। उनके परिवार के बारे में आम धारणा है कि वह इतना संपन्न था कि उसके सदस्यों के कपड़े भी पेरिस में धुलने के लिए भेजे जाते थे! लेकिन नेहरू ने कैसी विलासिताविहीन जीवनशैली अपना रखी थी, इसे जानने के लिए एक वाकये पर नज़र डालना दिलचस्प होगा। उनके नाती राजीव गांधी पढ़ने के लिए विदेश गए, तो उनकी बेटी इंदिरा गांधी की कोई नियमित आय नहीं थी। इसलिए इंदिरा के बजाय उन्हें ही राजीव को पैसे भेजने पड़ते थे। एक बार राजीव को कुछ ज्यादा पैसों की जरूरत पड़ी और उन्होंने इस बाबत उन्हें बताया, तो उन्हें जवाब मिला, 'तुम्हारी परेशानी जानकर पीड़ा हुई। पर मेरा विश्वास करो, मैं जो कुछ तुम्हें भेज पा रहा हूं, वही मैं अपने वेतन से अफोर्ड कर सकता हूं। मेरी पुस्तकों की रॉयल्टी भी अब बहुत कम मिलती है। लगता है, अब कम लोग ही मुझे पढ़ते हैं।

मगर तुम वहां खाली समय में कोई काम क्यों नहीं करते? मुझे मालूम है कि दूसरे देशों से जाने वाले ज्यादातर विद्यार्थी वहां काम करते हैं। इस तरह तुम्हें भी शांति रहेगी और मुझे भी।' कहते हैं कि उनकी इस सीख के बाद राजीव ने वहां कई मामूली समझे जाने वाले काम किए और अपना खर्च चलाया। यहां यह भी याद किया जा सकता है कि 1977 के लोकसभा चुनाव में करारी शिकस्त के फलस्वरूप इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री नहीं रहीं, तो लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने कुछ महीनों बाद उनसे हुई एक आत्मीय भेंट में पूछा था, 'इंदु, अब तुम्हारे घर का खर्च कैसे चल रहा है?' तब इंदिरा गांधी ने सहज भाव से बताया था, 'पिताजी की पुस्तकों की रॉयल्टी आ जाती है।' साफ है कि नेहरू जितने बड़े राजनेता थे, उतने ही बड़े लेखक भी। इसके बगैर वह वैचारिक स्पष्टता उनकी थाती नहीं बन सकती थी, जिसके तहत कभी उन्होंने कहा था कि यों तो जीवन में भय जितना बुरा और खतरनाक कुछ भी नहीं है, लेकिन अत्यधिक सतर्क रहने की नीति सभी खतरों में सबसे बड़ी है। हां, दूसरे हमारे बारे में क्या सोचते हैं, उससे अधिक यह मायने रखता है कि हम वास्तव में क्या हैं।

सब्जियों के छिलकों से बनाएं स्वादिष्ट व्यंजन



अक्सर घरों में सब्जियां काटते समय उनके छिलकों को बेकार समझकर कूड़ेदान में फेंक दिया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आलू, लौकी, गाजर, मूली और कद्दू जैसी सब्जियों के छिलकों से भी कई स्वादिष्ट व्यंजन तैयार किए जा सकते हैं? सही तरीके से साफ करके और मसालों के साथ पकाकर इन छिलकों को कुरकुरे स्नैक्स, चटनी और चटपटी सब्जी में बदला जा सकता है। इससे रसोई में खाने की बर्बादी कम करने में मदद मिलती है और रोजमर्रा के भोजन में कुछ नया बनाने का मौका भी मिलता है। अगर आप भी रोज एक जैसी सब्जियां खाकर बोर हो गए हैं, तो छिलकों से बनने वाली ये रेसिपीज जरूर ट्राई करें। इन व्यंजनों को बनाने के लिए आपको बहुत महंगी सामग्री या किसी खास कुकिंग स्किल की जरूरत नहीं है। घर में मौजूद हल्दी, मिर्च, जीरा, लहसुन और तेल जैसी चीजों से ही शानदार स्वाद तैयार किया जा सकता है। हालांकि, ध्यान रखें कि सब्जियों के छिलके इस्तेमाल करने से पहले उन्हें बहते पानी में अच्छी तरह धोना जरूरी है। आलू के हरे या अंकुरित हिस्सों के छिलके इस्तेमाल न करें।

इन बातों का रखें ध्यान

सब्जियों के छिलकों को इस्तेमाल करने से पहले बहते पानी में अच्छी तरह धोएं और सड़े, फफूंद लगे या खराब हिस्से हटा दें। आलू के हरे या अंकुरित हिस्सों से बचें। जिन सब्जियों के छिलके बहुत सख्त हों, उन्हें अच्छी तरह पकाएं। यदि किसी सब्जी के छिलके खाने योग्य होने को लेकर संदेह हो, तो उनका इस्तेमाल न करें।

आलू के छिलकों से बनाएं कुरकुरे चिप्स



आलू के छिलकों से तैयार कुरकुरे चिप्स शाम की चाय के लिए बढ़िया स्नैक हो सकते हैं।

सामग्री

आलू के साफ छिलके, एक चम्मच तेल, नमक, लाल मिर्च और चाट मसाला।

विधि

सबसे पहले आलू के छिलकों को अच्छी तरह धोकर सुखा लें। अब इनमें थोड़ा तेल, नमक और लाल मिर्च मिलाएं। इन्हें एयर फ्रायर या ओवन में कुरकुरा होने तक पकाएं। आखिर में चाट मसाला छिड़ककर गर्मागर्म परोसें। पकाने के दौरान इन्हें बीच-बीच में जांचते रहें, ताकि ये जलें नहीं।

मूली के छिलकों की भुजिया



मूली के छिलकों से झटपट बनने वाली भुजिया भोजन में नया स्वाद जोड़ सकती है।

सामग्री

मूली के साफ छिलके, जीरा, हींग, हल्दी, लाल मिर्च, नमक और थोड़ा तेल।

विधि

मूली के छिलकों को पतली स्ट्रिप्स में काट लें। कड़ाही में तेल गर्म करके जीरा और हींग का तड़का लगाएं। अब छिलके, हल्दी, लाल मिर्च और नमक डालें। इन्हें नरम होने तक पकाएं और फिर कुछ मिनट भूनें, ताकि अतिरिक्त नमी निकल जाए। तैयार भुजिया को रोटी या पराठे के साथ परोसें।

गाजर के छिलकों से बनाएं पराठा

गाजर के छिलकों को फेंकने के बजाय उनसे स्वादिष्ट पराठे की भरावन तैयार की जा सकती है।

सामग्री

साफ गाजर के छिलके, गेहूं का आटा, हरी मिर्च, अजवाइन, नमक और मसाले।

विधि

गाजर के छिलकों को बारीक काट लें। इन्हें हल्के तेल में हरी मिर्च, अजवाइन और मसालों के साथ कुछ मिनट पकाएं। ठंडा होने पर इन्हें आटे में मिलाकर जरूरत के अनुसार पानी डालें और आटा गूंथ लें। अब पराठे बेलकर तवे पर तेल या घी लगाकर दोनों तरफ से अच्छी तरह सेंक लें।

कद्दू के छिलकों की सब्जी

कद्दू के छिलकों से भी स्वादिष्ट सब्जी बनाई जा सकती है, बशर्ते छिलके साफ हों और पकाने के लिए उपयुक्त हों।

सामग्री

कद्दू के छिलके, प्याज, जीरा, हल्दी, धनिया पाउडर, नमक और तेल।

विधि

छिलकों को अच्छी तरह धोकर छोटे टुकड़ों में काट लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और जीरा व बारीक कटा प्याज भूनें। अब छिलके, हल्दी, धनिया पाउडर और नमक डालें। थोड़ा पानी डालकर ढक दें और छिलकों के नरम होने तक पकाएं। आखिर में ढक्कन हटाकर सब्जी को कुछ देर भूनें।

लौकी के छिलकों की चटनी

अगर आपको चटपटा खाना पसंद है, तो लौकी के छिलकों की चटनी जरूर आजमाएं।

सामग्री

लौकी के छिलके, लहसुन, हरी मिर्च, थोड़ा जीरा, नमक, तेल और नींबू का रस।

विधि

एक पैन में थोड़ा तेल गर्म करें और जीरा, लहसुन तथा हरी मिर्च भूनें। अब साफ किए हुए लौकी के छिलके डालकर नरम होने तक पकाएं। मिश्रण ठंडा होने पर इसे पीस लें और स्वादानुसार नमक व नींबू का रस मिलाएं। इस चटनी को रोटी, पराठे या दाल-चावल के साथ परोस सकते हैं।



हंसना मना है

टीचर गोलू से- पांच में से पांच घटाने पर कितने बचेंगे? गोलू- पता नहीं मैडम। टीचर- अगर तेरे पास 5 भटुरे हैं, और 5 भटुरे तुझसे मैं ले लूं तो तेरे पास क्या बचेगा? गोलू- ..छोले।

टीचर- होमवर्क क्यों नहीं किया.. स्टूडेंट - सर, लाइट नहीं थी, टीचर- तो मोमबत्ती जला लेते, स्टूडेंट- सर, माचिस नहीं थी, टीचर -क्यों नहीं थी? स्टूडेंट- पूजा घर में राखी हुई थी, टीचर- तो वहां से ले आते, स्टूडेंट- नहाया हुआ नहीं था, टीचर - क्यों, स्टूडेंट- पानी नहीं था सर, टीचर- क्यों, स्टूडेंट- सर मोटर नहीं चल रही थी, टीचर- क्यों, स्टूडेंट- बताया तो था लाइट नहीं थी!

टीचर- 1 से 10 तक गिनती सुनाओ। संता ..1, 2, 3, 4, 5, 7, 8, 9, 10.. टीचर- 6 कहां है? संता-जी वो तो मर गया। टीचर -मर गया? कैसे? संता-जी मैडम, आज सुबह टीवी पर न्यूज में बता रहे थे कि स्वाईन फलू में 6 की मौत हो गई!

कहानी | शिक्षा पर विचार

स्वामी विवेकानंद जी का आदर्शों से भरा जीवन हम सभी को प्रेरणा देता है। उनके उच्च विचार न केवल हमारे जीवन में नई ऊर्जा का संचार करते हैं साथ ही हमारा मार्गदर्शन भी करते हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए हमें उनके शिक्षा संबंधी विचार बहुत याद आते हैं। स्वामी जी मानते थे कि सही शिक्षा के अभाव के कारण ही हमारा देश अभी तक पूर्ण विकसित नहीं हो पाया है। स्वामीजी चाहते थे कि शिक्षा प्रणाली ऐसी हो जो युवाओं के चरित्र का निर्माण करे, उनको जीवन संघर्ष के लिए तैयार करे। उनका मानना था कि सिर्फ किताबें पढ़ना शिक्षा नहीं है, बल्कि उनसे ज्ञान प्राप्त करना और उस ज्ञान का प्रयोग जीवन में करना वास्तविक शिक्षा है। स्वामी जी के मत अनुसार वर्तमान शिक्षा प्रणाली से सिर्फ मजदूर तैयार हो रहें हैं, जबकि वे चाहते थे कि शिक्षा ऐसी हो जिससे बच्चे आत्मनिर्भर बने और कमाई के साधन स्वयं तैयार करें। स्वामी जी युवओं में अनंत साहस और शक्ति का संचार करना चाहते थे। उनका मानना था कि बेहतर समाज के निर्माण के लिए युवाओं का सही मार्गदर्शन जरूरी है। इसीलिए उन्होंने शिक्षा को बहुत महत्व दिया। उनका मत था कि हर बालक में कुछ न कुछ संभावनाएं अवश्य होती हैं, जरूरत है तो बस उसे पहचानने की और विकसित करने की। जिससे एक निडर, साहसी और आत्मनिर्भर चरित्रवान युवा का निर्माण हो सके। ऐसे में जब देश का युवा शक्तिशाली और बलवान होगा तो अपने आप ही विकासशील और आत्मनिर्भर देश का निर्माण होगा। इसीलिए स्वामी जी का मानना था कि वास्तविक शिक्षा वो है जो व्यक्ति की क्षमताओं को अभिव्यक्त कर उसे कामयाब बनाती है।

कहानी से सीख: तो इस प्रकार स्वामी जी के शिक्षा सम्बंधी विचार ने हमें बताया कि हमारा असल ज्ञान वो है जो हमें जीवन में सफल और स्वतंत्र बनाए, न कि वो जो हमें गुलामी की ओर ले जाए। ये वास्तविक ज्ञान हम में ही मौजूद होता है। बस उसे पहचान कर विकसित करने की जरूरत है।

7 अंतर खोजें



जानिए कैसा रहेगा कल का दिन



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष



कार्यक्षेत्र में धैर्य और व्यावहारिक सोच से काम पूरे होंगे। धन और संसाधनों से जुड़े फैसले सोच-समझकर लें। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

वृषभ



आपकी राशि में चंद्रमा होने से आत्मविश्वास और कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। नए सौदों और व्यापार विस्तार के लिए दिन अनुकूल है। जीवनसाथी और परिजनों का सहयोग मिलेगा।

मिथुन



कार्यक्षेत्र में गोपनीयता बनाए रखें और बिना तैयारी के कोई निर्णय न लें। दूरस्थ संपर्कों से जुड़े व्यापार में सावधानी से आगे बढ़ें। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें।

कर्क



सहकर्मियों के सहयोग से नए कामों में प्रगति होगी। मित्रों और संपर्कों के माध्यम से व्यापार बढ़ाने के अवसर मिलेंगे। बड़े भाई-बहनों और मित्रों के साथ संबंध मधुर रहेंगे।

सिंह



वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत में संयम रखें और काम की गुणवत्ता पर ध्यान दें। नए संपर्कों से लाभ मिल सकता है, लेकिन किसी भी सौदे की शर्तें जांचें।

कन्या



टीमवर्क से कार्यक्षेत्र में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। साझेदारी और बड़े ग्राहकों से जुड़े कामों में लाभ की संभावना है। मित्रों और सामाजिक समूह के साथ अच्छा समय बीतेगा।

तुला



कार्यक्षेत्र में नेतृत्व क्षमता और प्रबंधन कौशल की सराहना होगी। प्रशासनिक कामों और सौंदर्य प्रसाधनों से जुड़े व्यापार में अवसर मिल सकते हैं।

वृश्चिक



पुराने प्रोजेक्ट्स में प्रगति होगी और उच्च अधिकारियों से सहयोग मिल सकता है। लंबी दूरी के व्यापारिक संपर्क लाभ दे सकते हैं। काम के बीच आराम करें।

धनु

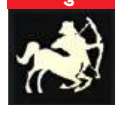

कार्यक्षेत्र में गोपनीयता रखें और विवादों से दूर रहें। शोध और सलाहकार सेवाओं से जुड़े कामों में लाभ मिल सकता है। परिवार के सदस्यों से बातचीत में संयम रखें।

मकर



साझेदारी के प्रोजेक्ट्स में सहयोग मिलेगा और काम आगे बढ़ेंगे। खुदरा व्यापार और दैनिक जरूरतों से जुड़े कारोबार में लाभ हो सकता है। नियमित सैर और योग से लाभ होगा।

कुम्भ



मेहनत और अनुशासन से कार्यक्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करेंगे। सेवा क्षेत्र और चिकित्सा उपकरणों से जुड़े व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। पर्याप्त पानी पिएं।

मीन



रचनात्मक विचारों और नई कार्यशैली से वरिष्ठों को प्रभावित करेंगे। कला, शिक्षा और परामर्श से जुड़े कारोबार में अवसर मिल सकते हैं। प्रेम संबंधों में मधुरता रहेगी।

हेमा मालिनी का धर्मेंद्र की पहली बरसी पर कचोटा दिल

बॉलीवुड के ही-मैन और हम सभी के चहेते धर्मेंद्र की मंगलवार को पहली बरसी थी। ठीक एक साल पहले 24 नवंबर 2025 ही वह मनहूस दिन था, जब 89 वर्ष की उम्र में धरम साहब का मुंबई स्थित उनके घर पर निधन हुआ। धर्मेंद्र की पहली पुण्यतिथि पर उनकी पत्नी हेमा मालिनी ने एक दिल कचोट देने वाला पोस्ट किया। 78 साल की हेमा ने चार तस्वीरें शेयर की और लिखा कि पूरा एक साल बीत गया, लेकिन उनके दुख की तीव्रता जरा भी कम नहीं हुई है। उन्होंने अपने लंबे चौड़े इमोशनल नोट में भगवद गीता का भी जिक्र किया।



धरम पाजी ने अपने छह दशक से अधिक के करियर में 300 से ज्यादा फिल्में कीं। उम्र संबंधी परेशानियों के कारण निधन से पहले वह करीब 12 दिन ब्रीच कैंडी अस्पताल में भी रहे। वहां से 12 नवंबर की सुबह उन्हें वापस घर लाया गया था, जिसके बाद घर पर ही इलाज चल रहा था। लेकिन फिर 24 नवंबर की वह तारीख आई, जिसने उनके करोड़ों चाहने वालों की आंखें नम कर दीं। हेमा मालिनी और परिवार का दुख यकीनन सबसे ज्यादा गहरा है।

हेमा मालिनी ने एक्स पर धरम जी को याद करते हुए लिखा है, पूरा एक साल बीत गया है, लेकिन मेरे दुख की तीव्रता जरा भी कम नहीं हुई है। मैं एक ऐसे इंसान के चले जाने का गहरा और कभी न भर पाने वाला शोक मना रही हूं, जो सिर्फ मेरे पति ही नहीं थे-बल्कि वो मेरे लिए सब कुछ थे-मेरे दोस्त, मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत, जो मेरी ताकत थे। संक्षेप में कहूं तो, वे ही मेरा अस्तित्व थे।

वह आगे जिंदगी में आए सूनापन को शब्दों में पिरोने की कोशिश करती हैं। लिखती हैं, उनके बिना जिंदगी बहुत खाली-खाली सी लगती है। उनका प्रभावशाली व्यक्तित्व, उनका सहज और नेक स्वभाव जो उनके पूरे वजूद में झलकता था, और उनके संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के प्रति उनका प्यार-वे एक ऐसे अनोखे इंसान थे, जो सफलता के शिखर पर पहुंचने के बावजूद हमेशा जमीन से जुड़े रहे और अपनी जड़ों से गहरे जुड़े रहे।

दिग्गज एक्ट्रेस और मथुरा से सांसद हेमा मालिनी ने आगे भगवद गीता की सीख का भी जिक्र किया। वह लिखती हैं, भगवद गीता हमें बताती है कि आत्मा अमर है और उसका पुनर्जन्म होता है। मैं यह जानती हूं, लेकिन अभी तो मैं इसी जीवन में हूं और उनकी प्यार भरी मौजूदगी को याद किए बिना नहीं रह पाती। के आखिर में उन्होंने फैंस और चाहने वालों का शुक्रिया करते हुए लिखा, मैं उन लाखों प्रशंसकों का धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने इस उदार और प्यारे इंसान को याद किया, और धरम जी के बारे में इतने स्नेहपूर्ण संदेश भेजे, साथ ही यह बताया कि वे उनके लिए क्या मायने रखते थे। आप सभी का एक बार फिर से धन्यवाद।

एक बार फिर सूरज बड़जात्या की फिल्म में प्रेम बनकर लौटेंगे भाईजान

सूरज बड़जात्या इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म ये प्रेम मोल लिया के प्रमोशन में व्यस्त हैं। फिल्म में आयुष्मान प्रेम का किरदार निभा रहे हैं। वहीं इसके बाद सूरज बड़जात्या औस सलमान खान की जोड़ी एक बार फिर साथ आने वाली है। अब निर्देशक ने इस फिल्म को लेकर नया अपडेट दिया है। फी प्रेस जर्नल को दिए एक हालिया इंटरव्यू में सूरज बड़जात्या ने सलमान खान के साथ अपनी फिल्म प्रेम की शादी के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि फिल्म के लिए दर्शकों को अभी थोड़ा और इंतजार करना होगा। निर्देशक ने कहा, अभी थोड़ा सा वक्त और है, क्योंकि थोड़ा और मुझे कुछ चीजें पॉलिश करनी हैं।



2022 में हुआ था फिल्म का एलान साल 2022 में सलमान खान, सूरज बड़जात्या की फिल्म ऊंचाई की स्क्रीनिंग में पहुंचे थे। इस दौरान दोनों ने अपनी अगली फिल्म में साथ काम करने का एलान किया था। जब सूरज ने कहा था कि प्रेम वापस आएगा, तो उन्होंने यह भी बताया था कि फिल्म का टाइटल रजिस्टर करवा लिया गया है। इसके बाद सलमान ने भी कहा था कि प्रेम वापस आएगा और सूरज यह सुनिश्चित करेंगे कि इस बार उसकी शादी भी हो जाए। इसी दौरान सुपरस्टार ने फिल्म के नाम प्रेम की शादी का भी खुलासा किया था।

सलमान खान और सूरज बड़जात्या की जोड़ी इससे पहले कई हिट फिल्मों में साथ काम कर चुकी है। दोनों ने मैंने प्यार किया, हम आपके हैं कौन, हम साथ-साथ हैं और प्रेम रतन धन पायो जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। इन सभी फिल्मों में सलमान खान ने प्रेम का यादगार किरदार निभाया था।

दिलजीत दोसांझ को मिली बम से उड़ाने की धमकी

पंजाबी सिंगर और ग्लोबल स्टार दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट से पहले बेंगलुरु में हड़कंप मच गया है। उनके शो को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस महकमा अलर्ट हो गया है। धमकी भरा ईमेल धारवाड़ पुलिस कमिश्नर को मिला है, जिसमें कॉन्सर्ट के दौरान IED ब्लास्ट करने की चेतावनी दी गई है। जानकारी के मुताबिक, दिलजीत दोसांझ का कॉन्सर्ट 29 नवंबर को बेंगलुरु के मडावरा इलाके में NICE रोड ग्राउंड पर होने वाला है। इसी कार्यक्रम को निशाना बनाने की धमकी ईमेल के जरिए दी गई है। ईमेल में खालिस्तान जिंदाबाद का नारा भी लिखा गया है। धमकी भरे ईमेल में सिर्फ बम धमाके की बात नहीं कही गई, बल्कि लोगों को कॉन्सर्ट में बच्चों को साथ न लाने, आईफोन का जवाब न देने और मेट्रो से सफर न करने की चेतावनी भी दी गई है। इस संदेश के सामने आने के बाद सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। पुलिस को यह धमकी ईमेल के जरिए मिली है। अब जांच एजेंसियां इसकी पड़ताल कर रही हैं।



सैर-सपाटे पर जाने को बेकरार हुई बेबो

करीना कपूर खान छुट्टियों पर जाने की प्लानिंग कर रही हैं। इसे लेकर वे बहुत बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। मगर, लगता है कि मन होने के बावजूद कोई प्लान नहीं बन पा रहा है। ऐसे में वे कुछ थ्रोबैक फोटोज देखकर ही मन बहला रही हैं।

करीना कपूर खान ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने तस्वीरों की एक सीरीज शेयर की है, जो पुरानी हैं। इनमें उनके माता-पिता, बहन करिश्मा कपूर और बच्चे भी नजर आ रहे हैं। यह फोटोज उनकी कुछ वेकेशन की हैं। पोस्ट के साथ करीना ने कैप्शन लिखा है, हॉलीडे का अगला सीजन कब होगा? अभिनेत्री के इस कैप्शन से अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे छुट्टियों पर जाने के लिए कितना इंतजार कर रही हैं। देखना होगा कि वे अगली ट्रिप कब और कहां की प्लान करती हैं?

करीना कपूर ने कपूर फैमिली की पुरानी फोटो एल्बम से भी कुछ झलकियां शेयर की हैं। इनमें करीना और करिश्मा के साथ रणबीर कपूर की भी झलक है।



श्वेता तिवारी ने वर्कआउट करने की दी सलाह

अभिनेत्री श्वेता तिवारी अपनी फिटनेस को लेकर काफी सजग हैं। 46 वर्षीय अभिनेत्री इसके लिए नियमित रूप से वर्कआउट करती हैं। जिम में जाकर कसरत करती हैं। दूसरों को भी उन्होंने वर्ककाउट करने की प्रेरणा देते हुए पोस्ट शेयर किया है।

श्वेता तिवारी ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने कुछ फोटोज साझा किए हैं। श्वेता जिम में नजर आ रही हैं। वर्कआउट के साथ-साथ भरपूर मस्ती कर रही हैं। अपने इन कीमती पलों को उन्होंने कैमरे में कैद कर लिया।

श्वेता ने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, ठीक है। हर दिन वर्कआउट करना मजेदार नहीं होता। कभी-कभी आपको यह पसंद आता है। कभी-कभी आप बस खुद को इसके लिए मजबूर कर लेते हैं। लेकिन यह जरूरी है। इसलिए मुस्कुराएं, ऐसा दिखाएं कि आपको इसमें मजा आ रहा है। बस आप वर्कआउट कर लें।

अभिनेत्री के इस पोस्ट पर नेटिजंस के रिएक्शंस आ रहे हैं। यूजर्स उनकी फिटनेस की दिल खोलकर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, उम्र आपके लिए महज एक संख्या है। एक अन्य यूजर ने लिखा, आप जिंदगी को जिंदादिली के साथ अपनी शर्तों पर जी रही हैं। एक यूजर ने लिखा, आप लाजवाब हो। दूसरों को बहुत अच्छे से मोटिवेट करती हैं।

पंजाब में भाजपा और शिअद के गठबंधन को लेकर उठे सवाल

संजय सिंह बोले - अकाली दल उसी के साथ खड़ा, जिसे उन्होंने 750 किसानों की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया

» आप और कांग्रेस ने भाजपा को घेरा

» दोनों का गठबंधन शून्य है: संजय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने पंजाब में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के बीच आगामी विधानसभा चुनाव के लिए घोषित गठबंधन पर तंज कसते हुए इसे 'शून्य' करार दिया। सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पंजाब में अकाली दल-भाजपा गठबंधन 0+0=0 है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि अकाली दल-भाजपा सरकार के पिछले 10 साल के शासन के दौरान पंजाब के हर घर तक नशा पहुंचा और राज्य को बर्बाद कर दिया गया।

सिंह ने कहा कि अकाली दल उसी भाजपा के साथ खड़ा है, जिसे उन्होंने 750 किसानों की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया और जिस पर किसानों को आतंकवादी, खालिस्तानी तथा पाकिस्तानी कहने का आरोप लगाया। संजय सिंह 2021 के पंचायत चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता और कोविड-19 संबंधी नियमों के कथित उल्लंघन के पांच साल पुराने मामले में मंगलवार को सुलतानपुर की अदालत में पेश हुए थे। उनके वकील के मुताबिक, अदालत ने साक्ष्यों के अभाव में संजय सिंह और इस मामले के अन्य सभी आरोपियों को बरी कर दिया। इस बीच, भाजपा और शिरोमणि अकाली दल ने मंगलवार को पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ने की घोषणा की। इसके साथ ही छह साल बाद अकाली दल की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में वापसी हुई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नयी दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दोनों दल पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सत्ता में आने पर गठबंधन में अकाली दल की भूमिका बड़े भाई की होगी और मुख्यमंत्री पद भी उसी के पास रहेगा। गौरतलब है कि अकाली दल ने सितंबर 2020 में तीन कृषि कानूनों के विरोध में भाजपा के साथ अपना 24 साल पुराना गठबंधन तोड़कर राजग से नाता तोड़ लिया था।

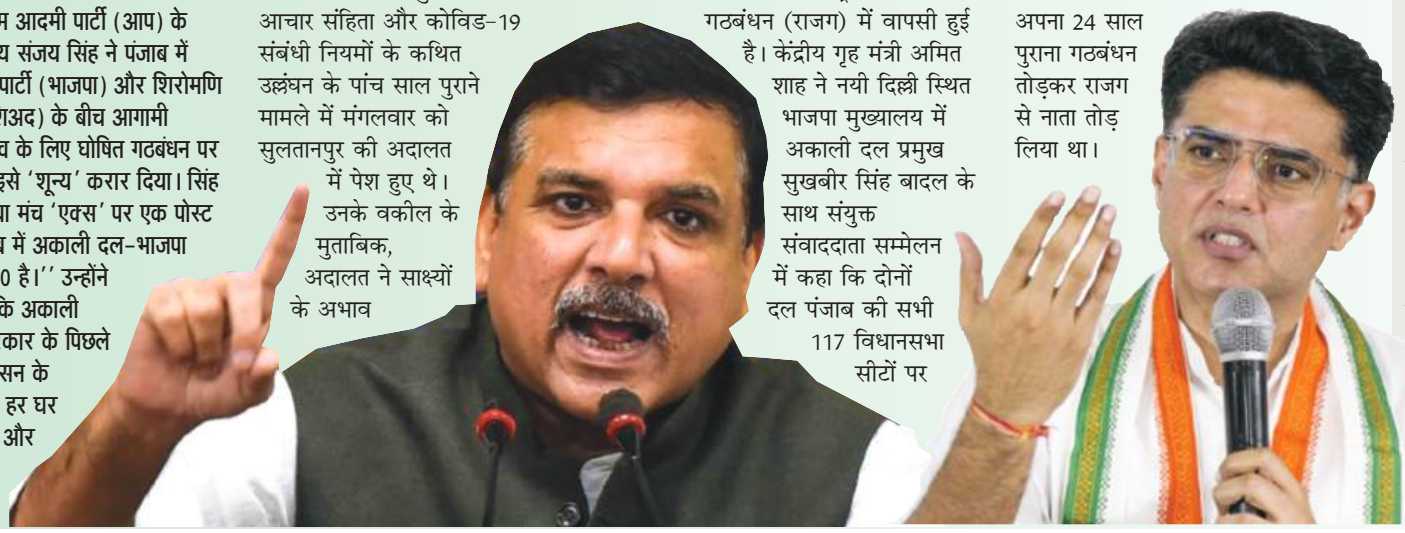

हताशा में भाजपा व शिअद ने किया गठबंधन : पायलट

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के एक बार फिर साथ आने को 'हताशा का गठबंधन' करार दिया एवं दावा किया कि राज्य में दोनों ही दलों के लिए कोई राजनीतिक जगह नहीं बची है। भाजपा और शिअद ने मंगलवार को इससे पहले अपने गठबंधन की घोषणा की। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का सबसे पुराना सहयोगी छह साल बाद फिर राजग में लौटा है। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह स्पष्ट कर दिया कि मुख्यमंत्री पद शिरोमणि अकाली दल के पास जाएगा क्योंकि वह गठबंधन में 'बड़े भाई' की भूमिका में होगा। इस घटनाक्रम पर पंजाब के कांग्रेस मामलों के प्रभारी पायलट ने कहा, ''यह एक कमप्रोमाइज और हताशा का गठबंधन है क्योंकि दोनों में से किसी भी पार्टी ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि छह साल पहले वे क्यों अलग हुए थे।'' कांग्रेस महासचिव पायलट ने सवाल किया, '' वे कौन से कारण थे जिनकी वजह से शिअद और भाजपा अलग हुए थे? क्या केंद्र सरकार या भाजपा ने देश की जनता को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कोई गारंटी दी है? क्या उन्होंने अपने द्वारा बनाए गए काले कानूनों के लिए माफी मांगी है? और किसान आंदोलन के दौरान दिल्ली की सीमाओं पर अपनी जान गंवाने वाले सैकड़ों लोगों के प्रति अकाली दल का क्या रुख है?''

संविधान की रक्षा के लिए हुंकार भरेगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» लखनऊ में मल्लिकार्जुन खरगे करेंगे नेतृत्व

» प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा ने दी जानकारी

लखनऊ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कल लखनऊ में संविधान दिवस पर पार्टी द्वारा आयोजित कार्यक्रम और रैली में शिरकत करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा ने बताया कि राज्य भर से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता इस आयोजन में भाग लेंगे। उन्होंने राहुल गांधी द्वारा संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के संघर्ष को और गति देने का संकल्प दोहराया। खरगे 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर यहां पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के कार्यालय में आयोजित कायक्रम और रैली में शामिल होंगे। आराधना मिश्रा ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे का कार्यक्रम में शामिल होना गर्व और उत्साह का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंच रहे हैं।

मिश्रा ने कहा कि राहुल गांधी संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए जो लड़ाई लड़ रहे हैं, उसे कांग्रेस सड़क से लेकर प्रदेश स्तर तक और मजबूत तथा तेज करेगी एवं इसी संकल्प के साथ 26 नवंबर को रैली आयोजित की जाएगी। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा सीटों के बंटवारे को लेकर किये गये पोस्ट के संबंध में पूछे जाने पर मिश्रा ने कहा कि आज करीब साढ़े तीन घंटे तक बैठक हुई और बातचीत सकारात्मक रही। उन्होंने कहा, यह एक अच्छी शुरुआत है। गठबंधन को पूरी मजबूती देकर हम न केवल चुनाव लड़ेंगे, बल्कि जीतकर सरकार भी बनाएंगे। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद की प्रस्तावित रैली के बारे में पूछे जाने पर मिश्रा ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक राजनीतिक दल को अपने कार्यक्रम आयोजित करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस केवल मनाने का अवसर नहीं होना चाहिए, बल्कि इस दिन संविधान की रक्षा का संकल्प भी लिया जाना चाहिए।



एमपी में नितिन नवीन के वीडियो को लेकर सियासी घमासान

» भाजपा ने पीसी शर्मा के खिलाफ की शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के एक वीडियो को लेकर मध्यप्रदेश में सियासत गरमा गई है। भाजपा ने कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा पर वीडियो के साथ छेड़छाड़ कर उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित करने का आरोप लगाया है। भाजपा का प्रतिनिधिमंडल प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी के नेतृत्व में भोपाल के साइबर क्राइम थाने पहुंचा और मामले में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पार्टी ने पीसी शर्मा के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है। भाजपा की शिकायत के मुताबिक, नितिन नवीन के मूल संबोधन के वीडियो में कथित तौर पर बदलाव कर उसमें ऐसे बयान जोड़ दिए गए, जिससे उनके वक्तव्य का अर्थ बदल गया।



पार्टी का आरोप है कि इस वीडियो को सोशल मीडिया पर प्रसारित कर लोगों को गुमराह करने और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की छवि खराब करने की कोशिश की गई। शिकायत के साथ भाजपा ने मूल वीडियो भी पुलिस को सौंपा है, ताकि दोनों वीडियो का मिलान कर सच्चाई की जांच की जा सके। भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने शिकायत में कहा है कि वीडियो के जरिए भ्रामक जानकारी फैलाने से आम लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। पार्टी ने पीसी शर्मा के साथ ही इस मामले में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच करने की मांग की है। शिकायत में आईटी एक्ट की धारा 66सी, 66डी, 67 और 67ए के साथ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग की गई है।

कॉमेडियन यश माहेश्वरी के विवादित बयान पर भड़की राजद-कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की महिलाओं को लेकर स्टैंड-अप कॉमेडियन यश माहेश्वरी की विवादित बयान के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। स्टैंड-अप कॉमेडियन ने छठ पूजा के दौरान बिहार की महिलाओं द्वारा मांग में लगाए जाने वाले सिंदूर को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। इसके साथ-साथ बिहारी महिलाओं और हरियाणवी पुरुषों को लेकर भी आपत्तिजनक बयान दिया था।

वहीं उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कांग्रेस और राजद ने भी यश माहेश्वरी पर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया पर लोग बिहार के मुख्यमंत्री और पुलिस से कॉमेडियन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। दरअसल, यश माहेश्वरी ने अपने बयान में कहा था कि बिहारी महिलाएं पिटने में एक्सपर्ट हैं और हरियाणवी पुरुष उन्हें पीटने में।

वैभव ने जड़ा लिस्ट ए का सबसे तेज दोहरा शतक

» भारत ने 14.2 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल किया यूएई के 250 रनों का लक्ष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दोहा। भारतीय क्रिकेट के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से दुनिया को हैरान कर दिया है। राइजिंग स्टार्स एशिया कप में यूएई के खिलाफ मुकाबले में वैभव ने ऐसी ऐतिहासिक पारी खेली, जिसने रिकॉर्ड बुक में कई बड़े बदलाव कर दिए। उन्होंने महज 53 गेंदों में 204 रन बनाए। इस दौरान 52 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा कर उन्होंने लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज 200 रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया। वैभव ने अपनी पारी में 28 छक्के और सात चौके लगाए।

यानी उन्होंने केवल बाउंड्री से ही 196 रन बटोर लिए। उनकी इस पारी की बदौलत भारत-ए ने यूएई के 250 रन के लक्ष्य को महज 14.2 ओवर में हासिल कर लिया और मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। वैभव ने इस मुकाबले में सबसे तेज शतक, सबसे तेज 150 रन, सबसे तेज दोहरा शतक और एक पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने जैसे कई बड़े रिकॉर्ड बनाए। इसके अलावा भारत-ए की टीम ने भी कई कीर्तिमान अपने नाम किए।



वैभव सूर्यवंशी ने अपने करियर में पांचवीं बार 40 से कम गेंदों में शतक लगाने का कारनामा किया। यूएई के खिलाफ उन्होंने 28 गेंदों में शतक पूरा किया। इससे पहले भी वह अलग-अलग प्रारूपों में बेहद तेज शतक लगा चुके हैं।

वैभव ने यूएई के खिलाफ 384.90 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। यह लिस्ट-ए क्रिकेट में 100 या इससे ज्यादा रन की पारियों में सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट है। इससे पहले यह रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स के नाम था। उन्होंने 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 149 रन की पारी के दौरान 338.63 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की थी।

भारत ने 200 से ज्यादा रन का सबसे तेज लक्ष्य हासिल किया

भारत-ए ने यूएई के खिलाफ 250 रन का लक्ष्य सिर्फ 14.2 ओवर में हासिल कर लिया। इसके साथ ही टीम ने लिस्ट-ए क्रिकेट में 200 या इससे ज्यादा रन का लक्ष्य सबसे तेजी से हासिल करने का रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले यह रिकॉर्ड एलाइड बैंक लिमिटेड के नाम था। टीम ने 2003 में लाहौर में पैट्रन्स कप के दौरान सर्विस इंडस्ट्रीज के खिलाफ 20 ओवर में लक्ष्य हासिल किया था। यूएई के खिलाफ मुकाबले में भारत-ए की पारी में कुल 31 छक्के लगे। वैभव सूर्यवंशी ने अकेले 28 छक्के लगाए, जबकि बाकी बल्लेबाजों ने मिलकर तीन छक्के लगाए। इस मुकाबले में भारत-ए की बल्लेबाजी पूरी तरह आक्रामक रही। टीम ने छक्कों की मदद से बड़े लक्ष्य को बेहद कम ओवरों में हासिल कर लिया।

उमर खालिद और शरजील इमाम को अंतरिम जमानत देने से सुप्रीम इनकार

» शीर्ष अदालत में दिल्ली दंगा केस पर हुई सुनवाई

» सरकार और पुलिस से जवाब तलब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े बड़ी साजिश के मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाओं पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज इस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने हाल ही में दोनों को जमानत देने से इनकार कर दिया था।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने आज उनकी अंतरिम जमानत की मांग पर विचार करने से इनकार कर दिया। दोनों आरोपियों ने कोर्ट में दायर याचिकाओं में कहा कि अभियोजन पक्ष अब तक संरक्षित गवाहों की गवाही दर्ज नहीं करा पाया है। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट की ओर से लगाई गई एक साल की रोक की अवधि भी समाप्त होने के करीब है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने कहा कि अंतरिम राहत की मांग पर विचार करने से पहले वह संबंधित पक्ष यानी दिल्ली पुलिस का पक्ष सुनेगी।



अभियोजन पक्ष अब तक एक भी गवाह की गवाही दर्ज नहीं करा पाया : शरजील इमाम

शरजील इमाम द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि इस मामले में 25 सितंबर, 2020 को आरोपपत्र दाखिल किया गया था। इसमें 18 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चल रहा है। अभियोजन पक्ष ने 900 से अधिक गवाहों की सूची दी है। इनमें 47 संरक्षित गवाह शामिल हैं। इमाम ने अपनी याचिका में कहा कि वह विचाराधीन कैदी के रूप में छह साल, नौ महीने से जेल में बंद हैं, लेकिन अभियोजन पक्ष अब तक एक भी गवाह की गवाही दर्ज नहीं करा पाया है। उमर खालिद ने भी अपनी याचिका में संरक्षित गवाहों की गवाही नहीं होने का मुद्दा उठाया और कहा कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय एक साल की अवधि समाप्त होने के बाद भी जेल में रखना संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन होगा।

जल्द मुख्य मामले को ही सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा : सीजेआई

उमर खालिद की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने मामले की जल्द सुनवाई के लिए तारीख देने का अनुरोध किया। इस पर सीजेआई ने कहा कि पीठ को मामले के तथ्यों की जानकारी है और उसने इसके लिए पूरी तैयारी की है। उन्होंने कहा, हमने अपना होमवर्क कर लिया है। जब सिब्बल ने पूछा कि क्या अंतरिम राहत की मांग पर सुनवाई के लिए मामला सूचीबद्ध किया जा सकता है, तो मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि मुख्य मामले को ही सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा।



कपिल सिब्बल और सिद्धार्थ दवे ने की अंतरिम जमानत की मांग

उमर खालिद की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अंतरिम जमानत की मांग करते हुए कहा कि वह छह साल से अधिक समय से हिरासत में हैं। वहीं, शरजील इमाम की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने भी इसी तरह की मांग रखी। हालांकि, पीठ ने कहा कि अंतरिम राहत पर विचार करने से पहले प्रतिवादी पक्ष को सुना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने प्रशासनिक स्तर पर इन मामलों को मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखने का निर्देश दिया, ताकि तीन न्यायाधीशों की पीठ का गठन किया जा सके।





आज सामाजिक लोकतंत्र बनाना जरूरी : जयराम



» बाबासाहेब द्वारा दिए गए ऐतिहासिक भाषण के 77 वर्ष पूरे होने पर बोले कांग्रेस नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 77 साल पहले संविधान को अंगीकार किए जाने के समय बाबासाहेब बी. आर. आंबेडकर द्वारा दिया गया भाषण कालजयी है और इसकी प्रासंगिकता सदैव बनी रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि देश को अपने राजनीतिक लोकतंत्र को सामाजिक लोकतंत्र में बदलना होगा और स्वतंत्रता, समानता तथा बंधुत्व को जीवन के सिद्धांतों के रूप में स्वीकार करना होगा।

रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि आज से ठीक 77 साल पहले आंबेडकर ने संविधान सभा में संविधान के प्रारूप को अंगीकार करने का प्रस्ताव पेश करते हुए ऐतिहासिक भाषण दिया था। उनके अनुसार, यह 20वीं सदी के भारत के सबसे महत्वपूर्ण, प्रभावशाली और कालजयी भाषणों में से एक है। संविधान सभा में अगले दिन संविधान को अंगीकार किया जाना था। कांग्रेस महासचिव ने आंबेडकर के भाषण के प्रमुख विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने संविधान सभा की कार्यवाही को सुचारु रूप से संचालित करने का श्रेय कांग्रेस पार्टी को दिया था। रमेश के मुताबिक, आंबेडकर ने कहा था कि संविधान सभा में कांग्रेस की उपस्थिति के कारण अव्यवस्था की आशंका पूरी तरह समाप्त हो गई थी और पार्टी ने सभा की कार्यवाही में व्यवस्था तथा अनुशासन सुनिश्चित किया था। उन्होंने आंबेडकर के हवाले से कहा कि यह पूरी तरह संभव है कि नवजात लोकतंत्र अपना स्वरूप तो बनाए रखे, लेकिन वास्तव में तानाशाही में बदल जाए।

अमरनाथ यात्रा मार्ग पर स्थित शेषनाग तक सड़क बनाने को लेकर मचा बवाल

» सीमा सड़क संगठन के साथ एमओयू की अवधि बढ़ाए जाने पर पीडीपी ने उठाए सवाल

» मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से इस फैसले पर स्थिति साफ करें : महबूबा मुफ्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा मार्ग पर स्थित शेषनाग तक सड़क बनाने के लिए सीमा सड़क संगठन के साथ एमओयू की अवधि बढ़ाए जाने पर सियासी बवाल मच गया है। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने इस पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से इस फैसले पर स्थिति साफ करने और नाजुक पर्यावरण को नुकसान से बचाने की मांग की।



इधर बीआरओ का कहना है कि काम सभी सुरक्षा और पर्यावरण मानकों का पालन करते हुए हो रहा है। महबूबा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हैरानी की बात है कि 23 जनवरी, 2026 को उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने बीआरओ की 'प्रोजेक्ट बीकन' के साथ एमओयू की अवधि बढ़ाकर शेषनाग तक सड़क बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। पूर्व मुख्यमंत्री ने मंगलवार को निर्माण स्थल का दौरा करने की कोशिश की थी, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। उन्होंने कहा, विकास के नाम पर यह हमारी नाजुक पारिस्थितिकी पर हमला है। इससे शेषनाग का पारिस्थितिकी तंत्र और अमरनाथ यात्रा, दोनों खतरे में पड़ सकते हैं। उन्होंने सवाल किया, क्या मुख्यमंत्री और पर्यटन विभाग इस एमओयू और दी गई मंजूरी के बारे में स्पष्टीकरण देंगे? क्या वे अपरिवर्तनीय नुकसान होने से पहले इसे वापस लेंगे? सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने सोमवार को कहा था कि वह अमरनाथ यात्रा के बाद का निर्माण कार्य सभी सुरक्षा मानकों और पर्यावरण संरक्षण के उपायों का पालन करते हुए कर रहा है। इस बीच, ऊंचाई पर स्थित झील के आसपास निर्माण कार्य के विरोध में शुरू की गई एक ऑनलाइन याचिका को समर्थन मिल रहा था, लेकिन वह रातोंरात वेबसाइट से गायब हो गई। पर्यावरण कार्यकर्ता जर्का बांदे की ओर से 'चेंज डॉट ओआरजी' पर 'कश्मीर की पर्वतीय झीलों के आसपास निर्माण कार्य रोकें' शीर्षक से यह याचिका शुरू की गई थी।

तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर दुर्भाग्य से नहीं जल सका दीप

» मदुरै कलेक्टर ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की स्टेटस रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु के तिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित दीपाथून स्तंभ पर कार्तिगई दीपम न जलाए जाने के मामले में मदुरै जिला कलेक्टर ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में अपनी स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर दी है।कलेक्टर की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच को बताया कि दुर्भाग्य से विवादित स्थल पर दीप प्रज्वलित नहीं किया जा सका, हालांकि सभी नियमों का पालन किया गया था।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने पिछले हफ्ते एक आदेश जारी कर 24 नवंबर को विवादित दीपाथून पर कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति दी थी। लेकिन दीपाथून स्तंभ पर कार्तिगई दीपम न जलाने के बाद यह स्टेटस रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई है। वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कलेक्टर की ओर से दाखिल स्टेटस रिपोर्ट में कहा, मुझे जो कुछ हुआ, उसकी एक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करनी थी, हमें अभी-अभी वह फाइल मिली है। महामहिम, आप इस पर विचार कर सकते हैं, क्योंकि दुर्भाग्य से दीपाथून में यह मामला सामने नहीं आ पाया था।



महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा